खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न II. (क) मन्नू भंडारी ने 'एक कहानी यह भी' पाठ में यह कथन अपनी माँ के लिए कहा है। लेखिका की माँ बहुत ज़्यादा सहनशीलता से भरी थीं। उनकी माँ में धरती से भी ज़्यादा सहनशीलता थी। वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करती थीं। वे लेखिका के पिता के क्रोध को सहन करती रहती थीं। परंतु लेखिका इससे बहुत अलग थीं। ~~वे क्रांतिकारी थीं।~~ उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने इसके लिए अपने पिता जी की कुछ बातों का भी विरोध किया। वे अपनी माँ की तरह अधिक सहनशील नहीं बनीं। इसलिए वे कहती हैं कि उनकी माँ का त्याग उनका आदर्श नहीं बन सका।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ के जीवन में रसूलनबाई तथा बतूलनबाई की एक अहम भूमिका रही।

4

बिस्मिल्ला खाँ बालाजी मंदिर उसी मोड़ रास्ते से जाते थे, जो रास्ता रसूलनबाई तथा बतूलनबाई से होकर जाता था। वे जब भी रसूलनबाई तथा बतूलनबाई के गायन को सुनते तो उन्हें बहुत खुशी होती थी। यह कहना उपयुक्त होगा कि इन्हीं बहनों ने खाँ साहब की संगीत के प्रति आस रुचि बढ़ाई अर्थात इन्हीं ने उनके अनुभव के स्लेट पर संगीत की वर्णमाला उकेरी

(ग) कौसल्यायन जी के विचार से:-

संस्कृति वह प्रवृत्ति, प्रेरणा अथवा योग्यता है, जिससे एक मनुष्य नया आविष्कार करता है।
यदि आग तथा सुई-धागे के आविष्कार का उदाहरण लें, तो जिस शक्ति ने इनका आविष्कार कराया वह भी संस्कृति है।
जो योग्यता मनुष्य से त्याग करवाती है, वह भी संस्कृति कही गई है।

प्रश्न 12. (क) उद्धव ने गोपियों को समझाने तथा उनकी विरह वेदना को शांत करने हेतु निर्गुण भक्ति का संदेश दिया है। उन्होंने उन्हें योग का संदेश दिया। है

गोपियों को वह इसलिए पसंद नहीं आया क्योंकि वे श्री कृष्ण से एकनिष्ठ प्रेम करती थीं, साथ ही वे योग के संदेश को कड़वी-ककड़ी के समान तथा एक रोग के समान देखती हैं। उन्हें ज्ञान मार्ग नहीं, प्रेम मार्ग पसंद था।

(ख) जयशंकर प्रसाद ने अपनी आत्मकथा न लिखने के निम्नलिखित कारण गिनवाए हैं:-

(i) जयशंकर प्रसाद के विचार से उनकी आत्मकथा में कोई विलक्षणता नहीं होगी। वह भी एक आम आदमी की कथा की भाँति ही होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि उनका जीवन एक खाली घड़े के समान है, जिसके विषय में सुनकर कोई वाह-वाह नहीं

करेगा।

(ii) साथ ही वे कहते हैं कि अभी उनकी मौन व्यथा सोई हुई है तथा वे ~~अ~~ उन्हें जगाना नहीं चाहते।

(ग) मुख्य गायक - गायिकाओं की सफलता उनके ~~संगतकारों~~ संगतकारों पर निर्भर करती हैं। वह इस प्रकार से क्योंकि :-

(i) संगतकार हमेशा गायक गायिकाओं के साथ उनकी सहायता हेतु खड़ा रहता है। ~~वे~~ मुख्य गायक द्वारा अंतरे की जटिल तानों में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रहता है।

(ii) साथ ही जब मुख्य गायक का स्वर तार सप्तक में थोड़ा बिखरा हुआ लगता है तथा उसकी प्रेरणा कम होती ~~देखी~~ दिखती है, तो वह उसे प्रेरणा देता है तथा उसके साहस को बाँधता है।

(iii) संगतकार साथ ही मुख्य गायक - गायिकाओं को यह विश्वास दिलाता है कि वह अकेला नहीं है तथा दोबारा गाया जा सकता है गाया जा चुका राग।

प्रश्न 13. (क) शिवपूजन सहाय द्वारा रचित 'माता का अँचल' पाठ में बच्चों की एक अनोखी दुनिया का वर्णन है। भोलानाथ तथा उसके साथी के खेल आजकल के बच्चों द्वारा खेले जाने वाले खेलों से बहुत भिन्न है।

भोलानाथ के खेल असल जीवन पर अधिक आधारित होते थे। जैसे - घरौंदा बनाना, बारात निकालना, खेती करना इत्यादि। परंतु हमारे खेल अलग हैं, जैसे - फुटबॉल, क्रिकेट आदि। उनके खेल प्रकृति के बीच खेले जाते हैं। परंतु आज बच्चे घरों में ही मोबाइल पर ज़्यादातर खेल खेलते हैं। भोलानाथ और उसके साथियों के खेलों की सामग्री आस पास प्रकृति से मिल जाती थी।

(ख) मधु कांकरिया द्वारा रचित पाठ 'साना - साना हाथ जोड़ि' में जिवित नार्ते उन्हें पहाड़ी स्कूली बच्चों के बारे में बहुत जानकारी देता है। वह बताता है कि पहाड़ी स्कूली बच्चों को रोज़ा सुबह उठकर कई किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना होता है। वे भी अपनी माताओं के साथ अलग- अलग काम करवाते हैं - जैसे पानी भरवाना, लकड़ी एकत्रित करवाना इत्यादि।

हमारा जीवन इन बच्चों के जीवन से भिन्न है। हमारे पास स्कूल जाने हेतु उचित साधन हैं तथा हमारे पास अन्य कई ऐसी सुविधाएँ देखी जा सकती हैं। हम शायद ही अपने माता -पिता के साथ उनकी बाहर के कामों में मदद करते हैं। हमारे जीवन में जो जिस दिनचार्य का पालन हम करते हैं, वह स्कूली जीवन बच्चों की दिनचर्या से थोड़ा सरल जान पड़ता है। 04

प्रश्न (ग)

विज्ञान के बढ़ते कदम

आज का युग आधुनिक युग है इस आधुनिकता के बीच विज्ञान की आवश्यकता तथा उसकी बोलबाला हमें स्पष्ट रूप से नजर आते हैं। आज विज्ञान के कारण ही हमारा देश भारत तथा विश्व के अन्य बहुत से देश तरक्की की ओर बढ़ चले हैं। विज्ञान आज के युग में एक महत्वपूर्ण अस्त्र है, जिसने उन चीजों को भी संभव बना दिया है, जो पहले असंभव सी प्रतीत होती थीं। हमारे जीवन को विज्ञान ने सरलता से भर दिया है। विज्ञान के अलग-अलग क्षेत्र में प्रयोग के कारण बहुत कठिनता से भरे कार्य भी सहजता से किये जा सकते हैं। यह कहना उपयुक्त है कि वैज्ञानिक उड़ान सब देशों के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे भारत ने चंद्रमा पर चंद्रयान भेजकर तथा बहुत भिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का प्रयोग कर अपनी वैज्ञानिक उड़ान का परिचय दिया है। वैज्ञानिक उड़ान भरने के लिए हर देश को प्रयास करना चाहिए।

10

प्रश्न 5. (ख)

789 गांधी नगर
मुख्य चौराहा
मेरठ

दिनांक: 21 फरवरी, 2024

आदरणीय ~~प्रिय~~ दादी जी
सादर नमस्कार।
मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ। आशा करती हूँ कि आप भी वहाँ स्वस्थ होंगी। मुझे कल ही माता जी ने बताया कि आपका काव्य-संग्रह 'कुदरत की लय' कुछ दिनों पहले ~~में~~ प्रकाशित हुआ है। आपको मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई तथा शुभकामनाएँ। मैं आपके इस उत्कृष्ट प्रयास से काफी प्रसन्न हूँ। मैं पूरी कोशिश करूँगी ~~करने का प्रयास करूंगी~~ ~~करूँगी~~ कि उस काव्य संग्रह को पढ़ सकूँ। मेरी सखी भी उसे पढ़ने के लिए बहुत उत्साहित है। आपके पत्र की प्रतीक्षा रहेगी। आपको नमस्कार और छोटे को ढेर सारा प्रेम।

करूँगी

धन्यवाद
भवदीया | प्रिय पोती

प्रश्न 16.

प्रेषक (From) - abc@gmail.com
प्राप्तकर्ता (To) - bcd@gmail.com

CC-
BCC-

विषय- पानी की आपूर्ति मुहल्ले में बाधित होने के संबंध में शिकायत [आपूर्ति विभाग को]

महोदय,
मैं तथा मेरे मुहल्ले के लोग पूरे दस दिनों से पानी आपूर्ति न होने की समस्या को झेल रहे हैं। इस समस्या के कारण किसानों को सिंचाई करने में, नहाने में तथा सफाई करने में मुसीबत उठानी पड़ रही है। जल हर सबका अधिकार है। सुबह बच्चों को स्कूल नहाकर जाना होता है। सबको पानी पीने में समस्या हो रही है। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि आप पानी की पूर्ति करवाएँ। आपके हम आभारी रहेंगे।

प्रश्न 17. (ख)

संदेश

21-02-2024

9:00 बजे प्रातः

प्रिय मित्र स्नेहा

तुम कभी न रुको, कभी न झुको।
तुम यूँ ही आगे बढ़ती रहो।

मैं इस बात से अत्यंत प्रसन्न हूँ कि तुम्हारा चयन बैडमिंटन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है। तुम्हें बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। आशा है कि तुम ऐसे ही जीवन में बढ़ती रहो तथा जीवन में तरक्की करती रहो। भगवान से प्रार्थना है कि तुम राष्ट्रीय स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन करो।

शिक्षा

खण्ड अ

(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न1. (i) (D) I और III सही हैं।

(ii) (A) उत्पादन बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के लिए

(iii) (C) ऊर्जा स्वावलंबन हासिल करके

(iv) (D) परमाणु बिजली को छोड़ देना चाहिए।

(v) (C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

प्रश्न2. (i) (B) जन कोलाहल से दूर कहीं
एकाकी सिमटा-सा निवास।

(ii) (D) अपने श्रमबल से अन्न उपजा कर संसार

का पेट भरने के कारण

(iii) (C) ऊसर भूमि का हरे-भरे खेतों में बदलना

(iv) (A) सहनशीलता - उदारता

(v) (D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

प्रश्न 3. (i) (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति न होकर संस्था थे।

(iii) (D) हमने देखा कि सामने वाले मैदान में हरी-भरी भरी घास पर ओले गिर रहे थे।

(iv) (C) II और IV

(v) (B) 1-(III), 2-(I), 3-(II)

प्रश्न 4. (A) अध्यापक द्वारा बराबर के फासले पर दो पंक्तियाँ खींची गईं।

(iii) (B) कर्तृवाच्य का

(iv) (C) III और IV

(v) (D) 1-(III), 2-(I), 3-(II)

प्रश्न 5. (ii) (C) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, पुरस्कार विशेष्य

(iii) (D) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, भूतकाल

(iv) (B) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन,

कर्म कारक

(v) (A) निपात, 'सराहा' पर बल दे रहा है।

प्रश्न 6. (i) (A) श्लेष

(iii) (B) उत्प्रेक्षा

(v) कलियाँ दरवाज़े खोल - खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।

(iv) (C) अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 7. (i) (C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(ii) (A) सत्यवादी, स्पष्टवक्ता, निष्ठावान

(iii) (D) गुरु

(iv) (C) स्पष्टवादिता और रूढ़ियों का विरोध

(v) (C) दो टूक बात करने में संकोच करते।

प्रश्न 8 (i) (A) देशभक्ति

(ii) (C) नई कहानी के बारे में सोच सकने के लिए

प्रश्न 9 (i) (C) परशुराम को

(ii) (C) I, II, III

(iii) (D) वे कमज़ोर नहीं, फरसाधारी वीर हैं।

(iv) (A) वे बालक का वध नहीं करेंगे।

(v) (D) मैं बहुत विद्वान हूँ।

प्रश्न 10 – (i) (A) I, II

(ii) (D) वात्सल्य

प्रश्न 16 (ब)

प्रेषक [From] - abc@gmail.com
प्रेषिती [To] - bcd@gmail.com

Cc-

Bcc-

विषय- मोहल्ले में पानी की आपूर्ति ~~की~~ में समस्या हेतु आपूर्ति विभाग के अध्यक्ष को शिकायत

महोदय,
मैं एक छोटे मोहल्ले में रहने वाला हूँ। मैं आपका ध्यान हमारे मोहल्ले में पानी की आपूर्ति बाधित होने की समस्या की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। लगभग पाँच दिनों से मेरे मोहल्ले में पानी की आपूर्ति की समस्या है। मेरे मोहल्ले के लोग इससे बहुत परेशान हैं। लोगों को नहाने में, महिलाओं को बर्तन धोने में तथा किसानों को सिंचाई करने में बहुत मुसीबत आ रही है। साथ ही ~~अब~~ तो पेयजल की उपलब्धि की समस्या बढ़ती जा रही है। मेरा अनुरोध है कि आप बिजली की आपूर्ति ~~व्यवस्थि~~ व्यवस्थित कराने की कृपा करें।

धन्यवाद